हिन्दुस्तान

जीएमआरएल के प्रबंध निदेशक डॉ. चंद्रशेखर खरे ने रूट का निरीक्षण किया

पुराने गुरुग्राम में 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से मेट्रो दौड़ेगी

प्रोजेक्ट अपडेट

गुरुग्राम, कार्यालय संवाददाता। पुराने गुरुग्राम में मेट्रो परियोजना का डिजाइन 90 किलोमीटर प्रति घंटे के हिसाब से किया जाएगा। 80 किलोमीटर प्रति घंटे के हिसाब से यह दौड़ेगी। यह बात गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) के नवनियुक्त प्रबंध निदेशक डॉ. चंद्रशेखर खरे ने शुक्रवार को पुराने गुरुग्राम की मेट्रो परियोजना रूट का निरीक्षण करने के दौरान कही।

प्रबंध निदेशक डॉ. चंद्रशेखर खरे ने दावा किया कि इस योजना के तहत 13 किलोमीटर में चल रहे भू तकनीकी सर्वेक्षण का कार्य जून माह में पूरा कर दिया जाएगा। इसके अलावा जून माह में विस्तृत डिजाइन सलाहकार और सामान्य सलाहकार नियुक्त कर दिया जाएगा। मेट्रो निर्माण का कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जाएगा। बता दें कि पिछले सप्ताह डॉ. खरे को हरियाणा सरकार ने जीएमआरएल का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। इससे पहले इस पद पर एचएसवीपी के मुख्य प्रशासक टीएल सत्यप्रकाश को नियुक्त किया था। बता दें कि गुरुग्राम में एचएसवीपी प्रशासक के तौर पर दो साल तक डॉ. खरे अपनी सेवाएं दे चुके हैं। डॉ. खरे ने कहा कि मेट्रो को इस तरह से डिजाइन किया जाएगा कि यह शहर के निवासियों को मल्टी-मॉडल एकीकृत परिवहन सुविधा प्रदान करे। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि यह अंतिम मील तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए बसों और ऑटो रिक्शा से अच्छी तरह जुड़ा हो। वे बहुत जल्द जीएमआरएल के लिए एक संगठन बनाने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। इसमें तकनीकी विशेषज्ञों को नियुक्त किया जाएगा। परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए सलाहकारों को जल्द नियुक्त किया जाएगा।

उमंग भारद्वाज चौक पर मेट्रो को लेकर भू तकनीकी जांच का निरीक्षण करते प्रबंध निदेशक चंद्रशेखर खरे। • हिन्दुस्तान

सुलभ परिवहन सुविधा के रूप में विकसित होगा

जीएमआरएल के प्रबंध निदेशक ने सेक्टर-33 और सेक्टर-101 में प्रस्तावित मेट्रो डिपो का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि सभी हितधारकों से विस्तृत चर्चा के बाद डिपो निर्माण पर निर्णय लिया जाएगा। मेट्रो को विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग के लिए एक समावेशी, मैत्रीपूर्ण और सुलभ परिवहन सुविधा के रूप में विकसित किया जाएगा।

90 किलोमीटर प्रति घंटे के हिसाब से डिजाइन किया जाएगा

5452 करोड़ रुपये मेट्रो परियोजना पर खर्च किए जाएंगे

आवासीय और वाणिज्यिक गतिविधियों को भी बढ़ावा

परियोजना का डिजाइन शहरवासियों की जरूरतों को सुनिश्चित करेगा। मेट्रो के आसपास टीओडी नीति का उपयोग किया जाएगा। मेट्रो मार्ग पर आवासीय और वाणिज्यिक विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्र किया जाएगा, जिससे लोग पैदल काम पर जा सकें। इससे पहले शुक्रवार को डॉ. खरे ने दिल्ली में जीएमआरएल की अध्यक्ष डी. थारा से मुलाकात की। शहर में मेट्रो परियोजना की भविष्य की रणनीति पर चर्चा की।